कोपरगांव रेलवे स्टेशन पर सभी रेलगाड़ियों का रोका जाना

2512. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार भविष्य में शिर्डी जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए सभी रेलगाड़ियों को कोपरगांव रेलवे स्टेशन पर रोकने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके कारण क्या हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) :

(क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) सभी गाड़ियों को ठहराने के लिए कोई वाणिज्यिक औचित्य नहीं है । फिलहाल 8 जोड़ी गाड़ियों में से 7 जोड़ी गाड़ियां कोपरगांव में ठहरती हैं और यह व्यवस्था पर्याप्त समझी जाती है।

रेलगाड़ियों की छतों पर यात्रा करने वाले यात्री

2513. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलगाड़ियों की छत पर यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ती जा रही है;

(ख) यदि हां, तो इसके कारण क्या हैं;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान रेलगाड़ियों की छतों पर यात्रा करते समय मारे गए ऐसे यात्रियों की संख्या कितनी है; और

(घ) रेलगाड़ियों की छतों पर यात्रा करने से रोकने के लिए सरकार कौन-कौन से कदम उठाने का विचार रखती है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) :

(क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) सात व्यक्ति ।

(घ) गाड़ियों की छतों पर यात्रा करने को रोकने तथा इसे हतोत्साहित करने के लिए किए गए उपायों में स्टेशन परिसरों में नोटिस तथा पोस्टरों का प्रदर्शन करना, छत पर यात्रा करने के खतरे को उजागर करते हुए महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर जन उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से घोषणाएं करना चल टिकट परीक्षकों द्वारा जांच करना, छापों/जांच के दौरान पकड़े गए दोषी व्यक्तियों पर रे० सु० ब०/रा० रे० पु० द्वारा मुकदमा चलाया जाना शामिल है, त्यौहारों आदि के दौरान अतिरिक्त मांग होने पर अतिरिक्त सवारी डिब्बों की व्यवस्था करके या अतिरिक्त गाड़ियां चलाकर भी जहां तक संभव होता है क्षमता बढ़ाई जाती है ।

पश्चिमी रेलवे की स्थानीय रेलगाड़ियों में चेतावनियों इत्यादि का मराठी भाषा में लिखा जाना ।

2514. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि मुम्बई में पश्चिम रेलवे की स्थानीय रेलगाड़ियों में चेतावनियों इत्यादि मराठी भाषा में न लिखी होकर केवल अंग्रेजी, हिन्दी और गुजराती भाषाओं में लिखी होती हैं;